भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परषिद

प्रलिम्सि के लयि:

हरति एवं स्वच्छ ऊर्जा तकनीक, वशि्व व्यापार संगठन, मुक्त व्यापार संधयिाँ, आर्टफिशियिल इंटेलजिंस, **ईएफटीए**

मेन्स के लयि:

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परषिद

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारत-**यूरोपीय संघ **व्यापार और प्रौद्योगिकी परषिद (TTC)** की पहली मंत्रस्तिरीय बैठक ब्रूसेल्स, बेल्जयिम में हुई।

- भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परषिद **यूरोपीय संघ के लयि दूसरा द्वपिक्षीय मंच** तथा भारत के लयि कसिी भी साझेदार के साथ **स्थापति पहला मंच** है। यूरोपीय संघ और अमेरिका ने जून 2021 में एक TTC का गठन कयिा।

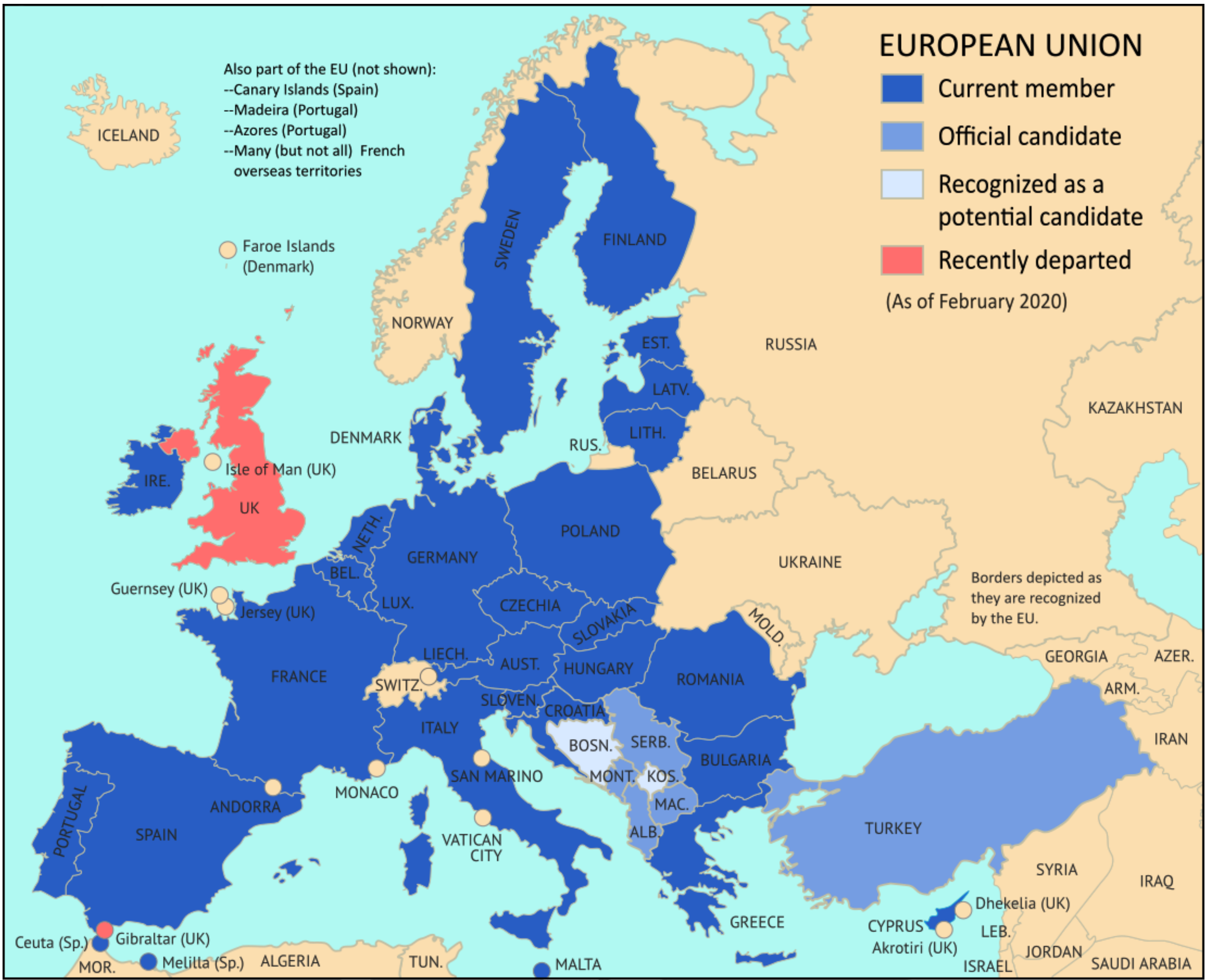

//

बैठक की मुख्य वशिषताएँ:

- बैठक में तीन कार्यकारी समूहों के तहत **भविष्य के सहयोग के रोडमैप पर चर्चा** हुई:
    - रणनीतकि प्रौद्योगकियाँ, डजिटिल शासन और डजिटिल कनेक्टविटिी
    - हरति और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगकियाँ
    - व्यापार, नविश और लचीली मूल्य शृंखलाएँ
- बैठक का उद्देश्य **दशा प्रदान करना और दोनों पक्षों के बीच सहयोग सुनश्चिति करना था:**
    - आपसी बाज़ार अभगिम को संबोधति करना
    - वशि्व व्यापार संगठन (WTO) में सुधार
    - मुक्त व्यापार संधयाँ (FTA) के लयि वार्ता
    - पारस्परकि हति के वभिन्नि क्षेत्रों में सहयोग
- भारत और यूरोपीय संगठन भी अपने व्यापार संबंधों में उभरते मुद्दे - **यूरोपीय संगठन की** कारबन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) को हल करने के लयि कार्य कर रहे हैं।
    - यूरोपीय संघ CBAM को एक "ऐतहासकि उपकरण" के रूप में वर्णति करता है जो यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाली वस्तुओं के उत्पादन के दौरान उत्सर्जति कारबन को लेकर "उचति मूल्य" नरि्धारति करता है और यूरोपीय संघ के बाहर औद्योगकि" उत्पादन को प्रोत्साहति करने के लयि एक तंत्र है।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परषिद (TTC):

- **परिचय:**
  - TTC के गठन की घोषणा भारतीय **प्रधानमंत्री और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष** द्वारा 2022 में व्यापार, वशि्वसनीय प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा गठजोड़ के साथ रणनीतिक चुनौतियों से नपिटने के लयि एक उच्च स्तरीय समन्वय मंच बनाने के उद्देश्य से की गई थी।
- **बैठक:**
  - भारत और यूरोपीय संघ के बीच नयिमति उच्च स्तरीय जुड़ाव सुनश्चिति करने के लयि**TTC की मंत्रस्तिरीय बैठकें वार्षकि तौर पर आयोजति** की जमती हैं।
    - संतुलति भागीदारी को बढ़ावा देने और द्वपिक्षीय सहयोग को मज़बूत करने हेतु ये बैठकें **वैकल्पकि रूप से भारत या यूरोपीय संघ** में हो रही हैं।
- **कार्यकारी समूह:** TTC में तीन कार्यकारी समूह (WG) शामलि हैं जो भवषि्य के सहयोग के रोडमैप पर रपिोर्ट करते हैं:
  - **सामरकि प्रौद्योगकियिों, डजिटिल शासन और डजिटिल कनेक्टवििटी पर कार्यकारी समूह:**
    - यह डजिटिल कनेक्टवििटी, कृत्रमि बुद्धमित्ता, 5जी/6जी, उच्च प्रदर्शन और क्वांटम कंप्यूटगि, सेमीकंडक्टर, क्लाउड ससि्टम, साइबर सुरक्षा, डजिटिल कौशल तथा डजिटिल प्लेटफॉर्म जैसे पारस्परकि हति के क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से काम करेगा।
  - **ग्रीन एंड क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजीज़ पर कार्यकारी समूह:**
    - यह **अनुसंधान और नवाचार पर ज़ोर देने के साथ नविेश तथा मानकों सहति हरति प्रौद्योगकियिों** पर ध्यान केंद्रति करेगा।
    - अनुसंधान क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा, चक्रीय अर्थव्यवस्था, अपशषि्ट प्रबंधन, समुद्र में प्लास्टकि और अपशषि्ट, हाइड्रोजन के लयि अपशषि्ट तथा ई-वाहनों हेतु बैटरी का पुनर्चक्रण हो सकता है।
      - यह यूरोपीय संघ और **भारतीय इनक्यूबेटरों, SME और स्टार्ट-अप** के बीच सहयोग को भी बढ़ावा देगा।
  - **व्यापार, नविेश और लचीली मूल्य शृंखलाओं पर कार्यकारी समूह:**
    - यह आ**पूर्ति शृंखलाओं के लचीलेपन और महत्त्वपूर्ण घटकों, ऊर्जा तथा कच्चे माल** तक पहुँच पर काम करेगा।
    - यह बहुपक्षीय मंचों में सहयोग को बढ़ावा देकर **चहि्नति व्यापार बाधाओं और वैश्वकि व्यापार चुनौतियों** को हल करने के लयि भी काम करेगा। यह अंतर्राष्ट्रीय मानकों को बढ़ावा देने तथा वैश्वकि भू-राजनीतकि चुनौतियों को दूर करने के लयि सहयोग की दशिा में काम करेगा।
- **महत्त्व:**
  - बदलते भू-राजनीतकि परदृिश्य को स्वीकार करते हुए भारत और यूरोपीय संघ दोनों**एक मज़बूत सहयोगात्मक ढाँचा स्थापति करने के महत्त्व को स्वीकार** करते हैं।
  - TTC न केवल **राजनीतकि मार्गदर्शन प्रदान करेगा** बल्कि **राजनीतकि नरि्णयों को प्रभावी तरीके से लागू** करने, त**कनीकी प्रयासों का समन्वय** करने और **राजनीतकि स्तर पर जवाबदेही** सुनश्चिति करने हेतु आवश्यक संरचना भी प्रदान करेगा।
  - TTC भारत-यूरोपीय संघ द्वपिक्षीय व्यापार को बढ़ाने में मदद करेगा, जो**वर्ष 2022 में 120 बलियिन यूरो मूल्य की वस्तुओं के साथ ऐतहिासकि उच्च स्तर** पर है। वर्ष 2022 में **17 बलियिन यूरो के डजिटिल उत्पादों और सेवाओं का व्यापार** कयिा गया था।

भारत के लयि यूरोपीय संघ का महत्त्व:

- **रोज़गार:** यूरोपीय संघ **शांति को बढ़ावा देने, रोज़गार सृजति करने, आर्थकि वकिास को बढ़ावा देने** और पूरे देश में सतत् वकिास को बढ़ावा देने हेतु भारत के साथ मलिकर काम करता है।
- **वत्तिीय सहायता:** चूँकि भारत एक नम्नि से मध्यम आय वाले देश (**OECD 2014**) से आगे बढ़ा है, भारत-यूरोपीय संघ सहयोग भी सामान्य प्राथमकिताओं पर ध्यान देने के साथ एक पारंपरकि वत्तिीय साझेदारी सहायता की ओर वकिसति हो रहा है।
- **व्यापार:** यूरोपीय संघ **भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार** (अमेरकिा के बाद) और **भारत का दूसरा सबसे बड़ा नरि्यात बाज़ार** है। भारत यूरोपीय संघ का 10वाँ सबसे बड़ा व्यापारकि भागीदार है, जसिका वस्तु व्यापार में यूरोपीय संघ के **कुल व्यापार का 2 प्रतशित हस्सिा है।**
  - यूरोपीय संघ और भारत के बीच सेवाओं का व्यापार वर्ष 2021 में 40 बलियिन यूरो तक पहुँच गया था।
- **नरि्यात:** वर्ष 2021-22 में यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लयि भारत का व्यापारकि नरि्यात लगभग**65 बलियिन अमेरकिी डॉलर था, जबकि आयात 51.4 बलियिन अमेरकिी डॉलर** था।
  - वर्ष 2022-23 के लयि नरि्यात 67 बलियिन अमेरकिी डॉलर था, जबकि आयात में 54.4 बलियिन अमेरकिी डॉलर था।
- **अन्य द्वपिक्षीय तंत्र:**
  - वर्ष 2017 भारत-यूरोपीय संघ शखिर सम्मेलन में नेताओं ने सतत वकिास के लयि एजेंडा-2030 के कार्यान्वयन पर सहयोग को मज़बूत करने की अपनी सहमति को दोहराया और भारत-यूरोपीय संघ वकिास वार्ता की नरिंतरता का पता लगाने पर भी सहमति व्यक्त की।

यूरोपीय संघ क्या है?

- यूरोपीय संघ **27 देशों का एक समूह** है जो एक सामंजस्यपूर्ण आर्थकि और राजनीतकि ब्लॉक के रूप में कार्य करता है।
- इनमें से 19 देश अपनी **आधकिारकि मुद्रा के रूप में यूरो (€)** का उपयोग करते हैं।
- 8 यूरोपीय संघ के सदस्य (बुल्गारयिा, क्रोएशयिा, चेक गणराज्य, डेनमार्क, हंगरी, पोलैंड, रोमानयिा और स्वीडन) यू**रो का उपयोग नहीं करते** हैं।
- यूरोपीय संघ **यूरोपीय देशों के बीच सदयिों से चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लयि एकल यूरोपीय राजनीतकि इकाई बनाने की इच्छा** से वकिसति हुआ जसिकी परणिति द्वतिीय वशि्व युद्ध के साथ हुई और महाद्वीप का अधकिांश भाग नष्ट हो गया।
- यूरोपीय संघ ने कानूनों की **एक मानकीकृत प्रणाली के माध्यम से एक आंतरकि एकल बाज़ार** वकिसति कयिा है जो सभी सदस्य देशों में उन मामलों में लागू होता है जहाँ सदस्य एक-साथ कार्य करने के लयि सहमत हुए हैं।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न (PYQ)

[illegible]:

प्रश्न. 'व्यापक-आधारयुक्त व्यापार और नविश करार (ब्रॉड-बेस्ड ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट ऐग्रीमेंट/BTIA)' कभी-कभी समाचारों में भारत और नम्निलखिति में से कसि एक के बीच बातचीत के संदर्भ में दखिाई पड़ता है? (2017)

(a) यूरोपीय संघ
(b) खाड़ी सहयोग परषिद
(c) आर्थकि सहयोग और वकिास संगठन
(d) शंघाई सहयोग संगठन

उत्तर: (a)

प्रश्न. भारत और यूरोपीय संघ के बीच द्वपिक्षीय व्यापार वार्ता के संदर्भ में यूरोपीय आयोग और यूरोपीय परषिद के बीच क्या अंतर है? (2010)

1. यूरोपीय आयोग व्यापार वार्ता में यूरोपीय संघ का प्रतनिधित्वि करता है, जबकि यूरोपीय परषिद यूरोपीय संघ की आर्थकि नीतियों से संबंधति मामलों में भाग लेती है।
2. यूरोपीय आयोग में सदस्य देशों के राज्य या सरकार के प्रमुख शामलि होते हैं, जबकि यूरोपीय परषिद में यूरोपीय संसद द्वारा नामति व्यक्ति शामलि होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-eu-trade-and-technology-council